भोपाल, बुधवार
02
जुलाई-2025

दैनिक
पीपुल्स प्रवक्ता

भोपाल, ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

/Peoplespravakta

E-paper www.peoplespravakta.com | वर्ष: 09 | अंक : 79 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 02 रुपए | E-mail Peoplespravakta@gmail.com

सुविचार
दुर्भाग्य के समय उन लोगों का पता चलता है जो वास्तव में आपके मित्र नहीं हैं

जन प्रतिनिधियों सहित चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कृषि, उद्यानिकी, डेयरी क्षेत्र के विशेषज्ञ भी होंगे शामिल

एक बगिया मां के नाम बनेगी आजीविका का नया माध्यम, महिलाएं होंगी लाभान्वित: सीएम यादव

- 30 हजार एकड़ भूमि पर होंगे उद्यान विकसित - उद्यान विकास का मिलेगा प्रशिक्षण
- मध्यप्रदेश की 100 नदियों के उद्गम स्थलों की 10-10 एकड़ भूमि पर सरकार करेगी पौधरोपण
- सभी जिलों में जिला विकास सलाहकार समितियों का होगा गठन
- 4 जुलाई को मेधावी विद्यार्थियों को वितरित किए जाएंगे लैपटॉप
- जल गंगा अभियान में हुआ 85 हजार खेत-तालाबों का निर्माण और 1 लाख से अधिक कुओं का पुनर्भरण

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में एक बगिया मां के नाम से नई योजना आरंभ की जा रही है। इसमें प्रदेश स्तर पर स्व-सहायता समूह की 30 हजार महिलाओं की 30 हजार एकड़ भूमि पर लगभग 900 करोड़ की लागत से आजीविका संवर्धन के लिए 30 लाख उद्यानिकी पौधों का रोपण कर फल उद्यान विकसित किए जाएंगे। इस योजना में हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग और सिंचाई के लिए जल कुंड बनाने के लिए भी धनराशि प्रदान की जाएगी। उद्यान विकास के लिए महिला हितग्राहियों को प्रशिक्षित भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

1 जुलाई से 15 सितंबर तक चलेगा ÷एक पेड़ मां के नामअभियान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की लगभग 100 नदियों के उद्गम स्थलों पर 10-10 एकड़ भूमि पर 42 करोड़ रुपए की लागत से पौधों का रोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई से 15 सितंबर तक एक पेड़ मां के नामअभियान आयोजित होगा, जिसे पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, वन, उद्यानिकी सहित सभी विभाग जनसहभागिता से संचालित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी जिलों में जिला विकास सलाहकार समिति का गठन किया जाना है। समिति में सांसद, विधायक, पंचायत तथा नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों के साथ ही चिकित्सा, विधि, इंजीनियरिंग, समाज सेवा, कृषि, उद्यानिकी डेयरी आदि क्षेत्रों के विशेषज्ञ और प्रख्यातजन शामिल होंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान में बने 85 हजार से अधिक खेत तालाब: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खेत का पानी खेत में संचित करने के उद्देश्य से प्रदेश में 85 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण किया गया। भूजल संवर्धन के लिए 1 लाख से अधिक कुओं का पुनर्भरण किया गया। पानी की अमृत बूंद को सहेजने के लिए अमृत सरोवर 2.0 के तहत 1000 से अधिक नए अमृत सरोवरों का निर्माण प्रारंभ हुआ। शहरी क्षेत्र में समाज की सहभागिता से 3300 से अधिक जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, 2200 नालों की सफाई और 4000 वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनाई गईं। इसके साथ ही 40 लाख से अधिक नागरिकों ने 5000 से अधिक ऐतिहासिक/धार्मिक जल स्त्रोतों (बावड़ी, मंदिर तालाबों आदि) की सफाई और जीर्णोद्धार में भाग लिया। अभियान के अंतर्गत 2 लाख 30 हजार जलदूतों का रजिस्ट्रेशन हुआ।

राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज हुईं 15 हजार से अधिक जल संरचनाएं: नर्मदा परिक्रमा पथ और पंचकाषी यात्रा जैसे अन्य तीर्थ मार्गों का डिजिटलीकरण किया गया। अवरिल निर्मल नर्मदा योजना के तहत 5600 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधरोपण की योजना स्वीकृत कराकर कार्य आरंभ किया गया। वन क्षेत्रों में वन्यजीवों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 2500 से अधिक तालाब, स्टॉप डैम जैसी जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण किया गया। प्रदेश की 15 हजार से अधिक जल संरचनाओं और जल संग्रहण संरचनाओं को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने का कार्य भी अभियान के अंतर्गत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मानसून में रोपण के लिए 6 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं।

7 जुलाई से 6 अगस्त तक होगा मूंग और उड़द का उपार्जन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर मूंग उपार्जन के लिए 3.51 लाख मैट्रिक टन और उड़द उपार्जन के लिए 1.23 लाख मैट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मूंग के लिए 30 जून तक 2 लाख 94 हजार किसानों ने तथा उड़द के लिए 11 हजार 495 किसानों का पंजीयन हो चुका है। पंजीयन के लिए 6 जुलाई तक अंतिम तिथि निर्धारित है। प्रदेशभर में मूंग और उड़द का उपार्जन 7 जुलाई से 6 अगस्त तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि यूनियन कार्बाइड के कचरे का निष्पादन 30 जून को पूर्ण कर लिया गया है, इससे प्रदेश को 40 साल पुराने इस कलंक से मुक्ति मिली है। उन्होंने बताया कि 4 जुलाई को प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रतलाम में हुए रीजनल इंडस्ट्रीज स्किल एंड एंप्लॉयमेंट कॉन्क्लेव तथा गुजरात के सूरत में आयोजित निवेशक संवाद कार्यक्रम की उपलब्धियों से मंत्रीगण को अवगत कराया।

कर्नाटक सीएम पद पर फिर विवाद

दावा-सौ विधायक डिप्टी सीएम के साथ

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर अंदरूनी खींचतान तेज हो गई है। इस बीच कांग्रेस नेता और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला बेंगलुरु दौरे पर पहुंचे हैं और पार्टी विधायकों के साथ लगातार मीटिंग कर रहे हैं।

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के करीबी विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया कि करीब 100 विधायक मुख्यमंत्री बदलने के पक्ष में हैं। अगर अब बदलाव नहीं हुआ, तो 2028 का चुनाव कांग्रेस नहीं जीत पाएगी। हुसैन ने कहा, हम सुरजेवाला से यह मुद्दा खुलकर उठाएंगे। शिवकुमार ने पार्टी के लिए दिन-रात मेहनत की है और उन्हें अब ष्टरू बनने का मौका मिलना चाहिए। दरअसल, 2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत में डीके शिवकुमार की अहम भूमिका रही थी। तब वे मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे, लेकिन पार्टी हाईकमान के कहने पर उन्होंने डिप्टी ष्टरूऔर प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी स्वीकार की। उस समय

रोटेशनल सीएम फॉर्मूले की बात भी सामने आई थी, लेकिन इसे कभी सार्वजनिक रूप से मंजूरी नहीं मिली। अब एक बार फिर यह मुद्दा खुलकर सतह पर आ गया है।

सुरजेवाला बोले- राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की बात सिर्फ कल्पना

रणदीप सुरजेवाला सोमवार को बेंगलुरु पहुंचे थे। उनके इस दौरे को सीएम और डिप्टी सीएम में बढ़ रही दरार से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि उन्होंने इन अटकलों को खारिज कर दिया और अपने दौरे को संगठनात्मक समीक्षा बताया। उन्होंने मीडिया से नेतृत्व परिवर्तन की बात को कल्पना कहा। सिद्धारमैया ने भी मैसूर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार 'बांदे' यानी चट्टान की तरह पांच साल चलेगी।

खड़गे बोले- कर्नाटक में सीएम बदलने का फैसला आलाकमान लेगा: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा, यह फैसला पूरी तरह हाईकमान के हाथ में है। कोई नहीं कह सकता कि हाईकमान के दिमाग में क्या चल रहा है। फैसला लेना उनका अधिकार है, लेकिन बेवजह किसी को इस मुद्दे को लेकर कोई परेशानी नहीं खड़ी करनी चाहिए। दरअसल, रविवार को कर्नाटक कांग्रेस के विधायक एच. ए. इकबाल हुसैन ने कहा था कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को आने वाले दो-तीन महीनों में राज्य का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिल सकता है। इसके बाद से ही कर्नाटक में ष्टरूबदलने की अटकलें शुरू हुई थीं।

तेलंगाना केमिकल फैक्ट्री धमाका- मौत का आंकड़ा 36 हुआ

हैदराबाद, एजेंसी

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में दवा फैक्ट्री में हुए धमाके में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 36 हो गया है। फैक्ट्री से 31 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, अस्पताल में 5 लोगों की मौत हो गई। 30 से ज्यादा घायल हैं। संगारेड्डी के एसपी परितोष पंकज ने यह जानकारी दी है। 30 जून को फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हुआ था। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को ?50 हजार की मदद की घोषणा की थी। इधर, तमिलनाडु के शिवकाशी में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ, न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 4 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। एक मजदूर ने बताया कि वह सोमवार सुबह 7 बजे नाइट शिफ्ट पूरी करके बाहर निकला था। सुबह की शिफ्ट का स्टाफ अंदर आ चुका था। धमाका करीब 8 बजे हुआ। शिफ्ट शुरू होने पर मोबाइल जमा हो जाता है, इस वजह अंदर काम कर रहे लोगों की कोई खबर नहीं मिल पाई।

बेंगलुरु भगदड़ केस में सस्पेंड सीनियर आईपीएस बहाल

पुलिस के पास अलादीन का चिराग नहीं, जो उंगली रगड़कर भीड़ को काबू कर ले

पीपुल्स प्रवक्ता, बेंगलुरु।

बेंगलुरु भगदड़ केस में सस्पेंड आईपीएस विकास कुमार को मंगलवार को सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल ने बहाल कर दिया। सीएटी ट्रिब्यूनल ने कहा कि हादसे के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जिम्मेदार है।

सीएटी ने कहा, पुलिस भगवान या कोई जादूगर नहीं है। पुलिस को व्यवस्था करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जाता तो उससे भारी भीड़ को नियंत्रित करने की उम्मीद नहीं की जा सकती।

आरसीबी ने विक्ट्री परेड से पहले पुलिस से परमिशन नहीं ली। अचानक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी पोस्ट की, जिसके चलते भीड़ इकट्ठा हो गई। 5 लाख

लोगों की भीड़ इकट्ठा करने के लिए फ्रेंचाइजी ही जिम्मेदार है। आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद आरबीबीसी ने 4 जून को विक्ट्री परेड निकाली थी। इस दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, इसमें 11 लोगों की जान गई थी और 75 लोग घायल हो गए थे। इस केस में IPS अधिकारी विकास कुमार को सस्पेंड किया गया था। ट्रिब्यूनल ने कहा कि निलंबन पुख्ता सबूतों पर आधारित नहीं है। पुलिस अधिकारियों को बिना किसी पर्याप्त सबूत या आधार के सस्पेंड कर दिया गया है। यह आदेश निरस्त किया जाता है।

भाजपा को बदनाम करने का प्रभारी प्रमुख अभियंता पी एच ई का प्रयास

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल

मध्य प्रदेश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा नया कारनामा सामने आया है सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व विधायक किशोर समरीते द्वारा पीएचई विभाग की एक शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी गई इस शिकायत में आरोप लगाया गया है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मंत्री संपतिया ऊईके के द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत 1000 करोड़ का भ्रष्टाचार किया गया है इस शिकायत को मद्देनजर रखते हुए लोक स्वस्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रभारी प्रमुख अभियंता द्वारा जांच के आदेश दे दिए गए परंतु प्रभारी प्रमुख अभियंता द्वारा इस चीज की पुष्टि नहीं की गई की शिकायत में कोई दस्तावेज संलग्न है या नहीं जिससे यह साबित हो सके की विभाग के मंत्री द्वारा कोई अनियमितता की गई है इस प्रकार भारतीय जनता पार्टी की मंत्री पर बिना तथ्यों के आरोप लगाना एवं प्रमुख

क्रमांक: 148/2025/ENC-PHE/... भोपाल, 21-06-2025

प्रति,

1. मुख्य अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग परिक्षेत्र समस्त म.प्र.
2. परियोजना निदेशक, म.प्र. जल निगम मर्यादित भोपाल।

विषय:- शिकायत भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश राज्य को जल जीवन मिशन में दिये गये 30 हजार करोड़ रुपये के व्यय की जांच करने तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में विभागीय मंत्री तथा उनके लिये पैसा एकत्रित करने वाले कार्यपालन यंत्री मण्डला की संपत्तियों की जांच करने बाबत।

संदर्भ:- अवर सचिव, म.प्र.शासन भोपाल का पत्र क्रमांक एफ 6/1/0007/2025/1/34 भोपाल दिनांक 30.05.2025

उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित पत्र का अवलोकन करें (छायाप्रति संलग्न)। पत्र में उल्लेखित प्रकरण के संबंध में शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में शिकायत के संबंध में तथ्यों की जांच कर प्रतिवेदन 7 दिवस में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें ताकि तदानुसार शासन को अवगत कराया जा सके।

संलग्न:-उपरोक्तानुसार।

पद पर आसीन रहते हुए बिना किसी ठोस सबूत के जांच के आदेश देना सोची समझी रणनीति प्रतीत होती है क्योकि बिना दस्तावेजों की शिकायत के आधार पर ही प्रभारी प्रमुख अभियंता द्वारा सभी मुख्य अभियंताओं और और जल निगम के परियोजना निदेशक को जांच के लिए आदेश दे दिया गया जोकि प्रभारी प्रमुख अभियंता की अपरिपक्वता को दर्शाता है और उनके द्वारा किया गया यह कृत्य भारतीय जनता पार्टी एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मंत्री संपतिया ऊईके की छवि पर गहरा आघात है यहां आपको अवगत करा दूं कि प्रभारी प्रमुख अभियंता पर खुद भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाते रहे हैं। इस प्रकार का कृत्य प्रभारी प्रमुख अभियंता द्वारा किया जाना अशोभनीय है वैसे भी विभाग के पास प्रमुख अभियंता के पद के कई और उम्मीदवार भी उपलब्ध हैं जैसे की सी के सिंह,एन एस जौहरी एवं एच एस गोंड आदि जो की वर्तमान प्रभारी प्रमुख अभियंता से योग्य भी हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभारी प्रमुख अभियंता संजय कुमार अंधवान की इस कार्य प्रणाली के चलते मध्य प्रदेश शासन में भारी नाराजगी है और शासन स्तर पर एक-दो दिन के भीतर ही कोई बड़ी कार्यवाही संजय कुमार अंधवान के विरुद्ध हो सकती है। प्रदेश सरकार एवं पार्टी की छवि को धूमिल करने वाले ऐसे अधिकारी को तत्काल विभाग प्रमुख के पद से हटाया जाना चाहिए।

व्यापार चर्चा और भारत-पाकिस्तान सीजफायर में संबंध नहीं: जयशंकर

कहा- अमेरिकी उपराष्ट्रपति की पीएम मोदी से जब बात हुई, मैं भी उसी कमरे में था

वाशिंगटन डीसी, एजेंसीं

अमेरिका दौर पर गए भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार संबंधी चर्चा और भारत-पाकिस्तान सीजफायर के बीच कोई संबंध नहीं है। न्यूजवीक मेगजीन के ष्टश्वह्र देव प्रसाद के साथ इंटरव्यू के दौरान उन्होंने ये बात कही।

जयशंकर ने कहा- 9 मई की रात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी से बात की थी। मैं भी उस दौरान उसी कमरे में था। वेंस ने चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान भारत पर बड़े हमले की योजना बना रहा है। पीएम मोदी ने इसकी परवाह न करते हुए कहा था- हमले का जवाब दिया जाएगा।

विदेश मंत्री ने कहा- अगली सुबह (10 मई) अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पीएम से संपर्क किया। कहा- पाकिस्तान बातचीत के लिए तैयार है। इसके बाद पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल काशिफ अब्दुल्ला ने भारत के

DGMO लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई से संपर्क किया और सीजफायर की रिक्वेस्ट की थी। दरअसल, 10 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की सबसे पहली सूचना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने ङ्ग पोस्ट के जरिए दी थी। ट्रम्प ने कई मौके पर कहा है कि भारत-पाकिस्तान को व्यापार न करने की धमकी दी थी, इसके बाद दोनों देश सीजफायर के लिए माने। जयशंकर ने कहा- घटनाक्रम उस तरह से नहीं हुआ था। कूटनीति और व्यापार संबंधी चर्चा पूरी तरह से अलग हैं।

मंत्री बोले- पहलगाम अटैक सोचा समझा आर्थिक युद्ध था

चर्चा के दौरान जयशंकर ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला सोचा समझा आर्थिक युद्ध था। इसका मकसद कश्मीर में पर्यटन उद्योग को बर्बाद करना था। यह हमला पर्यटन पर हमला था, जो कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आतंकी चाहते थे कि लोग डरें, पर्यटक न आएं और घाटी का आर्थिक ढांचा टूट जाए। हमलावरों ने धार्मिक पहचान के आधार पर लोगों को अलग किया और फिर हत्या की, ताकि सांप्रदायिक तनाव फैल सके। जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान से आने वाले आतंकवाद का भारत करारा जवाब देगा। उन्होंने कहा कि भारत अब न्यूक्लियर हथियारों की धमकी से डरने वाला नहीं हैं। जयशंकर ने कहा- अब यह डर दिखाने का वक्त चला गया है कि दोनों देश परमाणु ताकतें हैं इसलिए भारत को संयम बरतना चाहिए।